हरिभूमि

झज्जर-बहादुरगढ़ भूमि

रोहतक, गुरुवार 19 मार्च 2026

11 ठेका प्रथा समाप्त करने को लेकर किया प्रदर्शन

12 सामाजिक संस्थाओं को शहीद ए आजम सम्मान

खबर संक्षेप

सीएससी पर रेट लिस्ट नहीं लगाई तो आईडी होगी बंद : डीसी

झज्जर। डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने जिले में सीएससी के संचालन में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए सख्त निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने कहा कि सभी सीएससी संचालकों को अपने-अपने केंद्रों पर सीएससी का ब्रांडिंग बोर्ड तथा उपलब्ध सेवाओं की निर्धारित रेट लिस्ट लगाना अनिवार्य होगा। यदि किसी केंद्र पर यह व्यवस्था नहीं पाई गई तो संबंधित संचालक की आईडी तत्काल प्रभाव से बंद कर दी जाएगी। उन्होंने आमजन से अपील करते हुए कहा कि किसी भी सरकारी सेवा के लिए केवल अधिकृत सीएससी केंद्रों पर ही कार्य करवाएं, जिससे धोखाधड़ी या अनियमितता से बचा जा सके।

परमानंद मलिक ने पंजाब में जीता गोल्ड

बहादुरगढ़। शहर निवासी मास्टर खिलाड़ी परमानंद मलिक ने पंजाब के तलवंडी साबो में आयोजित 45वीं नेशनल वेटरन एथलेटिक चैंपियनशिप में जेवलिन थ्रो में गोल्ड मेडल जीता है। उनकी जीत पर खेल प्रेमियों ने खुशी जताई है। करीब 79 वर्षीय परमानंद मलिक दिल्ली पुलिस से सेवानिवृत्त हैं। कई दशकों से खेल रहे हैं और अब तक राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 327 पदक जीत चुके हैं। पिछले वर्ष एसबीकेएफ नेशनल चैंपियनशिप में उन्होंने जेवलिन, हैमर और डिस्कस थ्रो में गोल्ड जीता था। उम्र के इस पड़ाव पर भी वे नियमित अभ्यास कर रहे हैं और आगामी प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन का लक्ष्य रखा है।

30 स्कूलों ने आरटीई के तहत नहीं बताईं सीटें

बहादुरगढ़। शिक्षा का अधिकार कानून (आरटीई) के तहत गरीब बच्चों के लिए 25 फीसदी सीटें आरक्षित करने में 30 निजी स्कूल दिलचस्पी नहीं दिखा रहे हैं। खंड शिक्षा अधिकारी शेर सिंह ने बताया कि बहादुरगढ़ में केवल 134 निजी स्कूलों ने आरटीई के तहत सीटें दर्शाई हैं। बीईओ शेर सिंह के अनुसार जिन स्कूलों ने सीटें नहीं दिखाई हैं, उनका एमआईएस पोर्टल बंद कर दिया जाएगा। जिन स्कूलों ने पोर्टल पर सीटें नहीं दिखाईं, ऐसे स्कूल 19 मार्च तक पोर्टल पर जानकारी अपलोड करके बीईओ कार्यालय में हार्ड कापी अवश्य जमा करवाएं। उन्होंने बताया कि 164 मान्यता प्राप्त निजी स्कूलों में से 30 निजी स्कूलों ने सीटें नहीं दिखाई हैं। ऐसे स्कूलों के खिलाफ विभागीय और कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

नगर परिषद ने पुलिस की मौजूदगी में चलाया अतिक्रमण हटाओ अभियान

वेस्ट जुआं ड्रेन रोड से हटाए कब्जे

- महिला दुकानदारों ने कार्रवाई रुकवाने के लिए विरोध जताया, लेकिन नहीं माने निगम अधिकारी, सामान किया जब्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

नगर परिषद की ओर से बुधवार को वेस्ट जुआं ड्रेन रोड पर अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। इस दौरान कच्चे-पक्के कब्जे जेसीबी से हटाए गए और काफी सामान भी जब्त किया गया। लोगों ने कार्रवाई का विरोध भी किया, लेकिन अधिकारी नहीं माने।

दरअसल, वेस्ट जुआं ड्रेन पर अतिक्रमण की भरमार है। किसी ने शेड डाल रखे हैं तो किसी ने अन्य पक्के निर्माण कर रखे हैं। इसके अलावा अस्थाई अतिक्रमण की भी भरमार रहती है। बुधवार को इस दिशा में नगर परिषद ने सख्त रुख अपनाया। पुलिस की मौजूदगी में नगर परिषद की टीम ने तोड़फोड़ अभियान चलाया। इस दौरान स्थाई व अस्थाई कब्जों पर पीला पंजा चलाया गया। पावर हाउस चौक के निकट कुछ महिलाओं ने कार्रवाई का विरोध किया और कार्रवाई रुकवाने के लिए अड़ गई, लेकिन अधिकारी नहीं माने और पुलिस बल की मौजूदगी में जेसीबी चला दी। इस दौरान कुछ चालान किए गए तो वहीं सामान भी जब्त किया गया।

बहादुरगढ़। वेस्ट जुआं ड्रेन रोड पर पुलिस की मौजूदगी में अतिक्रमण हटवाते नप अधिकारी। इस दौरान कुछ दुकानदारों का सामान भी जब्त किया गया।

दुकानदार हाथ जोड़ते नजर आए, लेकिन नहीं रुकी कार्रवाई

नगर परिषद की इस कार्रवाई से लोगों में हड़कंप मच गया और कई दुकानदार जल्दबाजी में अपना सामान समेटते नजर आए। इस दौरान महिला दुकानदार हाथ जोड़कर अपना सामान बचाने की गुहार लगाती दिखाई दी, लेकिन नगर परिषद की टीम ने नियमों के अनुसार कार्रवाई जारी रखी। नगर परिषद के एमई जोगेंद्र संधु ने दुकानदारों को चेतावनी देते हुए कहा कि सड़क और सार्वजनिक स्थानों पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने साफ कहा कि यदि दोबारा अतिक्रमण किया गया तो संबंधित दुकानदारों के खिलाफ और भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

एजेंसी पर रिकॉर्ड से अधिक होने पर 26 सिलेंडर जब्त

बहादुरगढ़। गैस एजेंसी पर निरीक्षण करने पहुंचे एसडीएम अभिनव सिवाच।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

गैस की कालाबाजारी की शिकायतों पर प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। एसडीएम अभिनव सिवाच ने खाद्य एवं आपूर्ति विभाग की टीम के साथ बुधवार को औचक निरीक्षण करते हुए विभिन्न गैस एजेंसियों और प्रतिष्ठानों की जांच की।

इस दौरान वीरेंद्रा गैस एजेंसी पर छापेमारी में स्टॉक रिकॉर्ड से अधिक 26 कमर्शियल गैस सिलेंडर पाए गए, जिन्हें मौके पर ही जब्त कर लिया गया। एसडीएम अभिनव सिवाच ने स्पष्ट किया कि गैस की कालाबाजारी किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी। उन्होंने अधिकारियों को नियमित निरीक्षण के निर्देश भी दिए ताकि उपभोक्ताओं को गैस निर्धारित दरों पर उपलब्ध हो। इस अवसर पर खाद्य एवं आपूर्ति विभाग की ओर से एएफएसओ सपना देवी, इंस्पेक्टर राजेश सहगल, उप निरीक्षक धर्मपाल तथा राकेश सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

दस हजार की रिश्वत लेते पटवारी व नंबरदार गिरफ्तार

- रजिस्ट्री और इंतकाल को रुकवाने के लिए 20 हजार रुपये की मांग की थी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो रोहतक की टीम ने एक पटवारी व एक नंबरदार को बादली स्थित पुरानी तहसील से रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। टीम ने फतेहगढ़ जिला चरखी दादरी निवासी पटवारी सुनील कुमार तथा जिले के गांव बुपनिया निवासी कर्मबीर नंबरदार को दस हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए पकड़ा। टीम द्वारा पकड़े गए दोनों लोगों के विरुद्ध भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की विभिन्न धाराओं के अंतर्गत राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के रोहतक थाना में मामला दर्ज किया गया है।

क्षेत्र के गांव बुपनिया निवासी कुलदीप पुत्र रामफल ने शिकायत दी थी कि उसकी मां संतरा के नाम बुपनिया गांव में 1.25 बीघा जमीन की रजिस्ट्री थी। उसके भाई बिजेंद्र ने उसे बगैर सूचित किए सारी जमीन अवैध तरीके से अपने नाम करवा ली थी। उस रजिस्ट्री व इंतकाल को रुकवाने के लिए वह जब पुरानी तहसील बादली में सुनील कुमार पटवारी से मिला तो पटवारी ने गांव के नंबरदार कर्मबीर के माध्यम से रजिस्ट्री व इंतकाल रोकने के लिए बीस हजार रुपये रिश्वत की मांग की। शिकायत के आधार पर राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो रोहतक ने छापामार पार्टी तैयार करके आरोपी सुनील कुमार पटवारी व कर्मबीर नंबरदार को दस हजार रुपये की रिश्वत के साथ गिरफ्तार कर लिया।

बारिश और आंधी ने बढ़ाई किसानों की चिंता, फसलों को भी हुआ नुकसान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार बुधवार सायं तेज आंधी व बादलों की गर्जना के साथ हल्की बारिश हुई, जिसके कारण फसलों को नुकसान हुआ है। आगामी दिनों में भी बारिश होने की संभावना के अलर्ट को लेकर किसान चिंतित हैं। किसानों का कहना है कि इन दिनों में बरसात गेहूं व सरसों दोनों ही फसलों के लिए हानिकारक है। अगर बरसात के साथ ओलावृष्टि होती है तो किसानों की पूरी मेहनत ही खराब हो जाएगी। उन्होंने बताया कि बरसात और तेज हवाओं के कारण गेहूं की फसल नीचे गिर गई है। वहीं जो किसान सरसों की कटाई कर रहे हैं, उनका भी नुकसान हुआ है। उधर, बरसात के कारण मौसम खुशनुमा हो गया और तापमान में गिरावट दर्ज की गई। बुधवार को अधिकतम तापमान 31 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 17 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। आगामी दिनों में भी मौसम परिवर्तनशील रहने का अनुमान है।

झज्जर। बारिश के बीच गुजरते हुए वाहन व राहगीर।

युवक ने गोली खाकर वीडियो में तीन लोगों को ठहराया जिम्मेदार

- रुपये न लौटाने से था परेशान, परिवार ने करवाया केस दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

नयागांव निवासी एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में जहरीला पदार्थ निगलने से मौत हो गई। मौत के लिए परिजनों ने तीन लोगों को जिम्मेदार ठहराया है। मृतक युवक ने भी मरने से पहले बनाई वीडियो में उन्हीं तीन आरोपियों के नाम का जिक्र करते हुए रुपये न देने, पिस्तौल दिखाकर धमकी देने तथा अपनी मौत के लिए जिम्मेदार ठहराया है।

मृतक की पहचान करीब 26 वर्षीय सुमित के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, मंगलवार को उसने जहरीला पदार्थ निगला था, जिससे उसकी तबीयत बिगड़ गई। परिजन उसको अस्पताल लेकर गए। यहां से उसे पीजीआई रोहतक रेफर कर दिया गया। पीजीआई में इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। सुमित आठ भाई-बहनों में छोटा था। बताते हैं कि मरने से पहले सुमित ने अपने मोबाइल से एक वीडियो रिकॉर्ड कर अपने भाई के पास भेजी थी। एक मिनट 14 सेकेंड की इस वीडियो में सुमित ने छोटू मान, अभी व प्रवीण मालिक का जिक्र किया है।

17.85 लाख लेने थे

वीडियो में सुमित कह रहा है कि उसे छोटू मान निवासी लाइनपार से 14 लाख, अभी मेडिकल स्टोर एचएल सिटी से एक लाख 85 हजार तथा प्रवीण मलिक से दो लाख रुपये लेने हैं। इनकी वजह से गोली खाई है। कल भी गोली खाई थी लेकिन बच गया। मगर अब फिर से गोली खाई है। अगर मैं मरता हूं तो ये तीनों जिम्मेदार होंगे। छोटू ने पिस्तौल भी दिखाई थी। वहीं, सुमित के पिता बलवान सिंह ने भी पुलिस को दिए बयान में यही बातें कहीं है। उन्होंने कहा कि बेटे अमित के फोन में सुमित द्वारा भेजी गई वीडियो देखी तो उन्हें मामले का पता चला। आरोपियों द्वारा पैसा न दिए जाने से बेटा परेशान था। पुलिस मामले में जांच कर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करे और बेटे को न्याय दिलाए। उधर, सदर थाना पुलिस ने आत्महत्या के लिए मजबूर करने की धारा के तहत केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। जल्द ही मामले को सुलझाने की बात कही जा रही है।

रुपये हड़पने के लिए ड्राइवर ने ही रची थी लूट की झूठी कहानी

बहादुरगढ़। दुल्हेड़ा में हुई लूट की वारदात का पर्दाफाश करते हुए चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। मामले में शिकायतकर्ता ही पूरी साजिश का मास्टरमाइंड निकला। पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 3.71 लाख रुपये, एक मोटरसाइकिल और नकली पिस्तौल बरामद की है। आरोपी जेल भेज दिए गए हैं।

बादली थाना प्रभारी निरीक्षक सुरेश कुमार के अनुसार, दिल्ली निवासी विक्की ने शिकायत दी थी कि वह नांगलोई स्थित एक कंपनी में ड्राइवर है। गत 11 मार्च को झज्जर में माल उतारने के बाद पेमेंट लेकर लौट रहा था। दुल्हेड़ा के पास बाइक सवार तीन बदमाशों ने 3.71 लाख रुपये लूट लिए। तकनीकी साक्ष्यों और पूछताछ के आधार पर खुलासा हुआ कि लूट की कहानी पूरी तरह फर्जी थी। साजिश शिकायतकर्ता विक्की ने साथियों के साथ रची थी। पुलिस ने विक्की के साथ राहुल, सोहिल निवासी रंढाला निजामपुर, दिल्ली व अभिषेक निवासी नगला ठाकरान दिल्ली को गिरफ्तार किया।

सुविधा नए थानों में कर्मचारियों व फरियादियों के लिए बेहतर व्यवस्था बनाई

पुलिस कमिश्नर ने दुजाना व माछरौली थानों के नए भवनों का शुभारंभ किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

जिले में पुलिस व्यवस्था को सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए पुलिस कमिश्नर डॉ. राजश्री सिंह ने दुजाना और माछरौली थानों के नए भवनों का शुभारंभ किया। थाना दुजाना में आयोजित कार्यक्रम में पुलिस कमिश्नर का स्थानीय ग्रामीणों और प्रबुद्धजनों द्वारा स्वागत किया गया। उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। वहीं, पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया गया। पुलिस कमिश्नर डॉ. राजश्री सिंह ने थानों का निरीक्षण किया और वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि थानों में कार्य व्यवस्था बेहतर बनाई जाए ताकि पुलिस कर्मियों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने बताया कि नए थानों में कर्मचारियों के रहने और काम करने की समुचित व्यवस्था की गई है। वहीं, फरियादियों के लिए भी बैठने और अपनी बात रखने के लिए बेहतर माहौल तैयार किया गया है। इस दौरान डीसीपी हेडक्वार्टर जसलीन कौर, एसीपी अनिरुद्ध चौहान, एसीपी अनिल कुमार, एसीपी अखिल कुमार सहित अन्य भी मौजूद रहे।

झज्जर। दुजाना थाने के नवनिर्मित भवन के शुभारंभ के दौरान उपस्थित पुलिस कमिश्नर एवं अन्य।

विक्रम संवत 2083 प्रारंभ : जानें क्या है खास गुरु-मंगल की जोड़ी किसका करेगी बेड़ा पार

गुरुवार से 2026 से हिंदू नववर्ष यानी विक्रम संवत 2083 का शुभारंभ होने जा रहा है। यह पावन दिन हर वर्ष चैत्र शुक्ल प्रतिपदा से शुरू होता है और इसी के साथ भारतीय नवसंवत्सर की शुरुआत मानी जाती है। ज्योतिषीय गणना के अनुसार इस वर्ष के राजा देवगुरु बृहस्पति और मंत्री मंगल होंगे, जबकि इस संवत का नाम 'रौद्र संवत्सर' रखा गया है। हिंदू नववर्ष सनातन परंपरा का बेहद महत्वपूर्ण पर्व है। मान्यता है कि इसी दिन सृष्टि की रचना का आरंभ हुआ था, इसलिए यह दिन नए कार्यों, संकल्पों और शुभ शुरुआत के लिए अत्यंत फलदायी माना जाता है। इसी दिन से विक्रम संवत की शुरुआत होती है, जिसे सम्राट विक्रमादित्य द्वारा स्थापित किया गया था और यह ग्रेगोरियन कैलेंडर से लगभग 57 वर्ष आगे चलता है।

आज शुरू होगा हिंदू नववर्ष

देश में इसे अलग-अलग नामों से मनाया जाता है। महाराष्ट्र में गुड़ी पड़वा, दक्षिण भारत में उगादी और उत्तर भारत में नवसंवत्सर।

यह रहेगा प्रभाव

ज्योतिष के अनुसार जब बृहस्पति राजा होते हैं तो धर्म, शिक्षा और ज्ञान में वृद्धि होती है, वहीं मंगल मंत्री होने से साहस, ऊर्जा और प्रशासनिक निर्णयों में तेजी आती है। इस साल एक खास संयोग भी बन रहा है। मीन राशि में सूर्य, चंद्रमा, शुक्र और शनि का चतुर्ग्रही योग, जो इसे और प्रभावशाली बना रहा है।

सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व

सनातन परंपरा में यह दिन अत्यंत पवित्र माना गया है। मान्यता है कि इसी तिथि से सृष्टि की रचना का आरंभ हुआ था, इसलिए इसे नए कार्यों, संकल्पों और शुभ शुरुआत के लिए श्रेष्ठ समय माना जाता है। देश के अलग-अलग हिस्सों में इसे अलग नामों से मनाया जाता है। महाराष्ट्र में गुड़ी पड़वा, दक्षिण भारत में उगादी, जबकि उत्तर भारत में इसे नवसंवत्सर के रूप में मनाया जाता है। इस दिन लोग घरों की साफ-सफाई, पूजा-पाठ और नए कार्यों की शुरुआत करते हैं।

-पंडित कृष्ण दत्त गौड़, ज्योतिषाचार्य

मेष

इस राशि के जातकों का सकारात्मक सिद्ध हो सकता है। करियर में उन्नति के अवसर मिल सकते हैं और लंबे समय से रुके हुए कार्य पूरे हो सकते हैं। नौकरीपेशा लोगों को नई जिम्मेदारियां या पदोन्नति मिल सकती हैं। व्यापारियों को भी नए प्रोजेक्ट या साझेदारी से लाभ मिलने की संभावना है। जल्दबाजी में लिए गए निर्णयों से बचना ही बेहतर रहेगा।

कर्क

कर्क राशि के जातकों के लिए यह नववर्ष परिवार और संपत्ति से जुड़े मामलों में शुभ संकेत दे सकता है। जमीन या वाहन खरीदने के योग बन सकते हैं। कार्यक्षेत्र में सम्मान बढ़ सकता है। हालांकि भावनात्मक फैसलों से बचना और धैर्य बनाए रखना जरूरी होगा। हालांकि जल्दबाजी में लिए गए निर्णयों से बचना ही बेहतर रहेगा।

तुला

तुला राशि के जातकों के लिए साझेदारी और व्यापार के मामलों में यह वर्ष अनुकूल रह सकता है। व्यापार विस्तार के अवसर मिल सकते हैं। वैवाहिक जीवन में मधुरता बढ़ सकती है। नौकरी में नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं, जिससे भविष्य में लाभ होगा। स्वास्थ्य को लेकर थोड़ी सावधानी बरतने की जरूरत होगी।

मकर

मकर राशि वालों के लिए यह वर्ष घर-परिवार और संपत्ति से जुड़े मामलों में महत्वपूर्ण हो सकता है। परिवार में शुभ कार्य होने के योग बन सकते हैं। करियर में स्थिरता आएगी और मेहनत का अच्छा फल मिल सकता है। हालांकि काम का दबाव भी बढ़ सकता है। इससे शुरूआत में कुछ परेशानी हो सकती है।

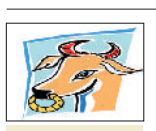

वृषभ

वृषभ राशि के लोगों के लिए यह नववर्ष आर्थिक दृष्टि से अनुकूल सिद्ध हो सकता है। आय के नए स्रोत बनने की संभावना है और निवेश से लाभ मिल सकता है। परिवार में सुख-शांति बनी रह सकती है। हालांकि खर्चों में भी वृद्धि हो सकती है, इसलिए बजट का संतुलन बनाए रखना जरूरी होगा।

सिंह

इस राशि के लोगों के लिए भाग्य का साथ मिल सकता है। करियर में आगे बढ़ने के नए अवसर मिल सकते हैं। लंबे समय से चली आ रही परेशानियों में कमी आ सकती है। व्यापारियों को भी लाभ मिलने के योग बन सकते हैं। सामाजिक प्रतिष्ठा और मान-सम्मान में वृद्धि हो सकती है।

वृश्चिक

वृश्चिक राशि के लोगों के लिए कार्यक्षेत्र में बदलाव के योग बन सकते हैं। नई नौकरी या नई जिम्मेदारी मिल सकती है। मेहनत और लगन से किए गए कार्यों में सफलता मिलने की संभावना है। हालांकि विरोधियों से थोड़ा सावधान रहने की जरूरत होगी।

कुंभ

कुंभ राशि के जातकों के लिए यह वर्ष करियर और कारोबार के लिहाज से शुभ सिद्ध हो सकता है। नए लोगों से मुलाकात भविष्य में फायदेमंद साबित हो सकती है। नौकरी और व्यापार दोनों में प्रगति के योग बन सकते हैं। हालांकि सावधानी से कदम बढ़ाने होंगे।

मिथुन

मिथुन राशि वालों के लिए यह वर्ष करियर और शिक्षा के लिहाज से अच्छा साबित होगा। नौकरी में नई उपलब्धियां मिल सकती हैं। उच्च अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। व्यापार से जुड़े लोगों को नए अवसर मिल सकते हैं। विदेश से जुड़े कार्यों में भी सफलता मिलने के संकेत हैं।

कन्या

कन्या राशि वालों के लिए यह वर्ष मिश्रित परिणाम देने वाला रह सकता है। कार्यक्षेत्र में मेहनत ज्यादा करनी पड़ सकती है, लेकिन उसका फल भी मिलेगा। स्वास्थ्य को लेकर थोड़ी सावधानी बरतने की जरूरत होगी। आर्थिक मामलों में सोच-समझकर निर्णय लेना बेहतर रहेगा।

धनु

धनु राशि के जातकों के लिए यह वर्ष शिक्षा, ज्ञान और करियर के क्षेत्र में सकारात्मक परिणाम दे सकता है। विद्यार्थियों के लिए यह समय अच्छा रह सकता है। धार्मिक और आध्यात्मिक गतिविधियों में रुचि बढ़ सकती है। आर्थिक स्थिति भी धीरे-धीरे मजबूत हो सकती है।

मीन

मीन राशि के लोगों के लिए यह वर्ष आर्थिक रूप से मजबूत साबित हो सकता है। आय में वृद्धि के संकेत मिल सकते हैं। करियर में नई जिम्मेदारियां और अवसर मिल सकते हैं। नौकरी उन्नति के योग हैं। परिवार में सुखद वातावरण बना रह सकता है।

डॉक्टर्स सजेशन

डॉ. आर. पी. सिंह सीनियर फिजिशियन, एनसीआर

जब सिर के एक साइड हो बहुत तेज दर्द

मेरी उम्र 62 वर्ष है। पिछले दो-तीन हफ्तों से मेरे सिर में दाहिनी तरफ हल्का-हल्का दर्द बना रहता है। कभी-कभी यह दर्द बहुत तेज हो जाता है। कृपया बताएं कि ऐसे में मुझे क्या करना चाहिए?

-कुलभूषण, धमतरी

आपकी समस्या सुनकर ऐसा लग रहा है कि आपको माइग्रेन हो रहा है। आपको इस बात पर गौर करना चाहिए कि सिर दर्द किन वजहों से होता है? कई लोगों को धूप में आने से तो कुछ लोगों को भूख लगने से तो कुछ को तनाव की वजह से सिर दर्द होता है। समस्या की पहचान कर उससे बचने का प्रयास करना चाहिए। अगर अधिक दिक्कत होती है तो जरूर डॉक्टर से संपर्क कर माइग्रेन दर्द की दवा लिखवा लेनी चाहिए। लेकिन दर्द की दवा का इस्तेमाल ज्यादा ना करें।

मेरी उम्र 19 वर्ष है। मुझे दिन भर कुछ-न-कुछ खाने की इच्छा होती रहती है। मेरा वजन भी बढ़ रहा है। कृपया बताएं कि मैं अपनी भूख पर कैसे कंट्रोल करूं?

-राजवीर, इमेल से

हालांकि भूख ज्यादा लगने के कारण कभी-कभी शुगर का लेवल बढ़ने लगता है, लेकिन जैसा आप बता रहे हैं कि आपका वजन भी बढ़ रहा है तो थायराइड संबंधी समस्या भी इसकी वजह हो सकती है। बेहतर होगा कि एक बार आप जनरल फिजिशियन से संपर्क कर लें। वे आपके ब्लड की कुछ जांच कराएंगे, जिससे आपकी समस्या की वजह पता चलेगी और ट्रीटमेंट किया जा सकेगा। फिलहाल आप बाहर का खाना और अधिक तेल-मसाले वाला खाना बिल्कुल बंद कर दें।

मेरी उम्र 54 वर्ष है। पिछले कुछ दिनों से मेरी बाईं आंख के नीचे गुठली-सी निकल आई है। छूने पर यह हार्ड लगता है और दर्द भी करता है। कृपया बताएं कि यह क्या है और कैसे ठीक होगा?

-योगेंद्र, बिलासपुर

यह गांठ किस तरह की है, यह बिना जांच किए कहना मुश्किल है। इसलिए आप एक बार डॉक्टर से संपर्क कर लें। वे इसकी प्रॉपर जांच करेंगे और अगर ऑपरेट करने की जरूरत होगी तो उसे ऑपरेट कर देंगे। लेकिन बगैर जांच कराए आप अपने मन से इस रोग का ट्रीटमेंट ना करें। यह हार्मफुल हो सकता है।

मेरी उम्र 48 वर्ष है। पिछले कुछ महीनों से मेरे दोनों पैर दिन में कभी भी अचानक कुछ मिनटों के लिए सुन्न हो जाते हैं। इसमें कोई सेंसेशन नहीं होता। कृपया बताएं कि ऐसा क्यों होता है?

-संदीप, भोपाल

इस तरह की समस्या कई बार नर्वस सिस्टम से जुड़ी होती है तो कई बार मस्तिष्क से संबंधित होती है। यह समस्या आपको कब से शुरू हुई है, यह आपने नहीं बताया। क्या आपको हाल-फिलहाल में सिर पर चोट तो नहीं लगी है? अगर ऐसा है तो आपको एक बार मस्तिष्क रोग विशेषज्ञ से संपर्क कर लेना चाहिए। वे जांच कर इसका ट्रीटमेंट करेंगे।

मेरी उम्र 40 वर्ष है। मेरे ब्लड टेस्ट में विटामिन बी12 की कमी आई है। क्या मैं मल्टीविटामिन सप्लीमेंट ले सकता हूं? कितने दिनों तक इसे लेना सही रहेगा?

-जतिन, दुर्ग

विटामिन बी12 की कमी आपको जांच करने के बाद पता चली है क्या? अगर ऐसा है तो इसकी दवा ली जा सकती है, लेकिन पहले आपको किसी डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए। वही इसकी दवा लिखेंगे। वही दवा आप शुरू करें। यह इस बात पर डिपेंड करेगा कि आपका विटामिन बी12 का लेवल कितना कम है, उसके अनुसार इसकी डोज तय की जाएगी। *

प्रस्तुति: रिचा पांडे

पाठक अपनी हेल्थ प्रॉब्लम्स से संबंधित सवाल sehatharibhoomi@gmail.com पर ई-मेल कर सकते हैं।

डॉक्टर्स एडवाइस

डॉ. एस.पी. राय

सीनियर एल्मोनोलॉजिस्ट, कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी हॉस्पिटल, मुंबई

संभव है टीबी से बचाव-उपचार

एक खतरनाक बैक्टीरिया के संक्रमण से टीबी रोग किसी को भी हो सकता है। हालांकि इससे बचाव और उपचार की कारगर दवाएं मौजूद हैं, लेकिन आज भी दुनिया भर में बड़ी संख्या में लोग टीबी से ग्रस्त होकर अपनी जान गंवाते हैं। **वर्ल्ड टीबी डे (24 मार्च)** के अवसर पर आपको डिटेल में बता रहे हैं, इसके होने के कारण, प्रमुख लक्षण, जांच, बचाव और उपचार के तरीकों के बारे में।

हजारों साल से चली आ रही बीमारी है ट्यूबरकुलोसिस (टीबी), जिसे राजयक्ष्मा, क्षय रोग या तपेदिक भी कहा जाता है। टीबी आज भी दुनिया के कई देशों के लिए स्वास्थ्य चुनौती बनी हुई है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने दुनिया से वर्ष 2030 तक इस बीमारी को समाप्त करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसके प्रति अवेयरनेस बढ़ाने के लिए ही वर्ल्ड टीबी डे मनाते हैं। इस साल वर्ल्ड टीबी डे की थीम है- 'यस! वी कैन एंड टीबीः लेड बाय कंट्रीज, पॉवर्ड बाय पीपुल।' इसका आशय है-जी हां! हम टीबी को खत्म कर सकते हैं। इस कार्य में विभिन्न देशों के राजनीतिक नेतृत्व और जनता को अपनी-अपनी तरफ से भागीदारी निभानी होगी।

इस जीवाणु से होता है टीबीः 24 मार्च 1882 में जर्मनी के डॉ. रॉबर्ट कॉच ने टीबी के जीवाणु-माइकोबैक्टेरियम ट्यूबरकुलोसिस का पता लगाया था। इस जीवाणु के नाम पर ही इस बीमारी का नाम ट्यूबरकुलोसिस संक्षेप में टीबी पड़ा। आमतौर पर लोगों को फेफड़े की टीबी की समस्या ज्यादा होती है। टीबी से ग्रस्त किसी व्यक्ति के खांसने या छींकने या फिर बात करने के दौरान जब उस शख्स के मुंह से ड्रॉपलेट्स निकलते हैं, वे हवा के माध्यम से किसी दूसरे व्यक्ति को टीबी से संक्रमित कर सकते हैं। फेफड़ों की टीबी का प्रमुख कारण यही है। लगभग 80 से 85% लोग फेफड़ों की टीबी से ग्रस्त होते हैं। इस टीबी के बैक्टीरिया, फेफड़ों को प्रभावित करते हैं। अगर समय रहते फेफड़ों की टीबी का समुचित उपचार कर लिया जाए तो फिर कालांतर में इस बीमारी की जटिलताओं और गंभीर परिणामों से बचा जा सकता है।

क्या है एक्स्ट्रा पल्मोनरी टीबीः जब टीबी के जीवाणु फेफड़ों के जरिए रक्त प्रवाह के साथ शरीर के दूसरे अंगों में पहुंच जाते हैं और फिर इन अंगों को क्षीण करने लगते हैं, तो उसे एक्स्ट्रा पल्मोनरी टीबी कहा जाता है। जैसे हड्डियों, आंतों, रीढ़ की हड्डी, लिंफ नोड्स, गला, लिवर और शरीर के महत्वपूर्ण अंग एक्स्ट्रा पल्मोनरी टीबी से प्रभावित हो सकते हैं। कुछ लोग मस्तिष्क की टीबी और महिलाएं गर्भाशय की टीबी से भी ग्रस्त हो सकती हैं। लगभग 15 प्रतिशत व्यक्ति एक्स्ट्रा पल्मोनरी टीबी से ग्रस्त हो सकते हैं।

टीबी के प्रकारः जीवाणु की सक्रियता के आधार पर दो प्रकार के टीबी हो सकते हैं। एक, सक्रिय यानी एक्टिव टीबी और दूसरा, असक्रिय या लेटेंट टीबी।

एक्टिव टीबीः जिन लोगों के शरीर में टीबी के जीवाणु सक्रिय हो जाते हैं तो इस स्थिति में उनमें टीबी के लक्षण प्रकट होने लगते हैं। ऐसे लोग अपनी लापरवाही से दूसरे लोगों को भी टीबी से ग्रस्त कर सकते हैं।

लेटेंट टीबीः टीबी के इस प्रकार में लोगों के शरीर में इस बीमारी के जीवाणु तो होते हैं, लेकिन वे सक्रिय नहीं होते। इस कारण ऐसे लोगों में टीबी के लक्षण प्रकट नहीं होते और और न ही ऐसे व्यक्ति किसी दूसरे व्यक्ति को संक्रमित करने में सक्षम होते हैं।

टीबी संक्रमण के लक्षणः तीन हफ्तों से अधिक समय से आने वाली खांसी। खांसते समय खून का निकलना। अचानक व्यक्ति का वजन कम होने लगना। लंबे समय तक बुखार बने रहना। भूख का कम होते जाना। थोड़ा सा भी शारीरिक परिश्रम करने पर थकावट या कमजोरी महसूस होना। सांस लेते समय सीने में दर्द महसूस होना। बेवजह पसीना बहुत आना। फेफड़ों के अलावा अन्य अंगों में जो टीबी होती है, उनके लक्षण उन्हीं अंगों के अनुरूप होते हैं। जैसे रीढ़ की हड्डी के टीबी से ग्रस्त होने के कारण कमर में दर्द का लगातार बने रहना आदि लक्षण दिख सकते हैं।

डायग्नोसिस का तरीकाः फेफड़ों की टीबी का पता करने के लिए व्यक्ति के बलगम की जांच की जाती है। अगर बलगम की जांच से टीबी का पता नहीं चलता, तब स्प्यूटम कल्चर टेस्ट या एएफबी कल्चर नामक टेस्ट कराने का परामर्श दिया जाता है। अनेक मामलों में छाती के एक्स-रे से भी टीबी का पता करने में मदद मिलती है। फेफड़ों के अलावा एक्स्ट्रा पल्मोनरी टीबी के मामलों जैसे गुर्दों की टीबी के लिए यूरीन कल्चर टेस्ट कराया जाता है। यदि शरीर में गांठ आदि है, तो वहां से फ्लूइड लेकर परीक्षण कराया जाता है। कुछ जटिल मामलों में सीटी स्कैन का परामर्श दिया जाता है। इसी तरह रीढ़ की हड्डी में दर्द की स्थिति में एक्सरे के अलावा एमआरआई जांच भी कराई जाती है आदि।

ट्रीटमेंट के प्रकारः आमतौर पर टीबी की मुख्य प्रारंभिक दवाएं-रिफैंपिसिन और आइसोनेक्स हैं, जिनका डॉक्टर की सलाह से नियमित सेवन करने से 6 महीने के अंदर टीबी का मर्ज खत्म हो जाता है। गौरतलब है कि मल्टीड्रग रेजिस्टेंट टीबी और एक्सटेंसिव ड्रग रेजिस्टेंट टीबी के इलाज में ये दोनों ही दवाएं अपना असर दिखाना बंद कर देती हैं। ऐसी स्थिति में मरीजों को सेकेंड लाइन ड्रग्स देने की जरूरत पड़ती है। आमतौर पर ड्रग रेजिस्टेंट टीबी के इलाज में मरीज को दवाएं लगभग साल-डेढ़ साल तक दी जाती हैं। लेकिन आधुनिक चिकित्सा विज्ञान में हुई प्रगति के कारण अब ड्रग रेजिस्टेंट टीबी का इलाज अतीत की तुलना में कहीं ज्यादा प्रभावी और कारगर हो गया है। भारत सरकार ने एमडीआर टीबी के इलाज के लिए एक नई और प्रभावी 6 महीने की कम अवधि वाली उपचार पद्धति को मंजूरी दी है, जिसे 'बीपाल्म रेजिमेन' कहा जाता है। 'बीपाल्म रेजिमेन' चार दवाओं का एक संयोजन है, जो पूरी तरह से ओरल रूप में दी जाती है। इसमें बेडाक्विलिन, प्रीटोमैनिड, लाइनजोलिड, मॉक्सीफ्लोक्सासिन शामिल हैं।

इन्हें है ज्यादा रिस्कः एक्स्ट्रा पल्मोनरी टीबी होने का रिस्क उन्हें ज्यादा होता है, जो एचआईवी से ग्रस्त हैं, जो लोग डायबिटीज टाइप 2 से ग्रस्त हैं, ऐसे लोग जिनका रोग प्रतिरोधक तंत्र या इम्यून सिस्टम कमजोर हो गया है।

इन बातों पर दें ध्यानः जिन लोगों के टीबी के इलाज की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और जो लोग टीबी से ठीक हो चुके हैं, उनमें से लगभग 2 से 3% ऐसे लोग हो सकते हैं, जिनमें टीबी के लक्षण दोबारा प्रकट हो सकते हैं। इसे सहज मेडिकल भाषा में टीबी का रिलेप्स होना कहते हैं। अगर किसी व्यक्ति में दोबारा टीबी के लक्षण प्रकट हों, तो उसे अति शीघ्र अपने डॉक्टर से चेकअप कराना चाहिए और उनके बताए परामर्श पर अमल करना चाहिए। दरअसल, जो पेशेंट टीबी की इलाज प्रक्रिया के दौरान नियमित रूप से दवा नहीं लेते या फिर ऐसे व्यक्ति, जो इलाज की प्रक्रिया को पूरा नहीं करते यानी समय से पहले ही दवाएं बंद कर देते हैं, उनमें टीवी के दोबारा (रिलेप्स) होने की आशंका बढ़ जाती है। इसलिए जरूरी है कि आप नियमित रूप से दवाएं लें और इलाज की प्रक्रिया को पूरा करें।

बढ़ाएं इम्यूनिटीः जो लोग हेल्दी डाइट नहीं लेते, उनके शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर हो जाती है। वास्तव में बड़ी संख्या में लोगों के शरीर में टीबी के जीवाणु होते हैं, लेकिन ये सक्रिय नहीं होते। जब हेल्दी डाइट और लाइफस्टाइल नहीं अपनाते तो व्यक्ति की इम्यून सिस्टम कमजोर हो जाता है। ऐसे में टीबी के जीवाणु शरीर में सक्रिय हो जाते हैं, जो टीबी रोग का कारण बन सकते हैं। इसलिए टीबी से बचने के लिए सबसे जरूरी है कि आप अपनी डाइट में फलों, सब्जियों, अंकुरित अनाजों और ड्राय फ्रूट्स को वरीयता दें। *

प्रस्तुति: विवेक शुक्ला

टीबी पेशेंट्स की डाइट

टीबी के मरीजों को उच्च प्रोटीन युक्त आहार और फलों का सेवन करना चाहिए। जैसे-दूध और दूध से निर्मित उत्पाद-दही, मट्ठा, सोयाबीन, दालें, अंडा, फिश और मीट। फल खासकर विटामिन सी युक्त फल जैसे संतरा, मौसंबी, नीबू और आंवला आदि। इनके अलावा टीबी के मरीजों के लिए विटामिन डी का विशेष महत्व है। विटामिन डी का कुदरती स्रोत सूर्य की किरणें हैं। इसलिए टीबी के मरीजों को सुबह के वक्त लगभग एक घंटे धूप लेनी चाहिए। धूप लेने से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है और मरीज की रिकवरी जल्दी होती है।

क्या आप भी करते हैं अकसर लॉन्ग सिटिंग

प्रिकॉशन

डॉ. माजिद अलीम

वजह चाहे आपकी जॉब हो या इनएक्टिव रहने की हैबिट, अगर आप अकसर घंटों बैठे रहते हैं तो इसका आपकी हेल्थ पर बुरा असर पड़ सकता है। लॉन्ग सिटिंग से किस तरह के नुकसान हो सकते हैं और इससे बचने के लिए क्या सावधानियां बरत सकते हैं, जानिए।

हम सभी धूम्रपान को स्वास्थ्य के लिए एक बड़ा खतरा मानते हैं, लेकिन क्या आपको पता है कि लगातार कुर्सी पर बैठे रहना भी लगभग उतना ही हानिकारक होता है? हालांकि ऐसा नहीं है कि लगातार बैठे रहने को लेकर यह कोई नया खुलासा हुआ है। हम इस तथ्य को पहले से जानते हैं, हम सब इसके बुरे प्रभावों को जानने के बावजूद हर दिन बिना सोचे समझे यह करते हैं यानी घंटों लगातार बैठे रहते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा लगातार बैठने को धूम्रपान के समान ही हानिकारक घोषित किया है।

हृदय रोग की बढ़ती है आशंकाः पूरी दुनिया में प्रतिवर्ष लगातार बैठने से हर साल लगभग 32 लाख लोग अपनी जान गंवा रहे हैं। यह संख्या धूम्रपान से होने वाली मौतों से भी ज्यादा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार हर साल पूरी दुनिया में 17.9 मिलियन लोग हृदय रोग के कारण अपनी जान गंवा बैठते हैं। लगातार बैठना यानी निष्क्रियता की वजह से ही हृदय रोगों को अपने पैर पसारने में आसानी होती है। जागरूक रहकर हम सक्रिय जीवनशैली के द्वारा 80 प्रतिशत तक के हृदय रोगों को रोक सकते हैं।

बढ़ रही निष्क्रिय जीवनशैलीः क्या आपको पता है कि भारत में 25 प्रतिशत वयस्क प्रतिदिन 8 घंटे से भी ज्यादा लगातार बैठकर काम करते हैं और इस दौरान वो 20 मिनट से भी कम का ब्रेक लेते हैं। कमोवेश कॉरपोरेट जगत में ही नहीं बल्कि सेलिब्रिटीज और सामान्य लोगों का लाइफस्टाइल भी इस तरह का ही होता जा रहा है।

खबर संक्षेप

विज्ञान पुरस्कार परीक्षा में आरईडी के विद्यार्थी छाए

झज्जर। आरईडी स्कूल के विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय शिक्षा समिति, टोहाना द्वारा आयोजित विज्ञान पुरस्कार परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर संस्थान का नाम रोशन किया है। परीक्षा में विभिन्न कक्षाओं के 53 विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा दिखाई। प्राचार्या गीता गाबा ने बताया कि उनके स्कूल की चौथी कक्षा के विद्यार्थी जीवांश एवं देवांशी, छठी कक्षा से मनस्वी एवं भूमि तथा आठवीं कक्षा से लक्ष्य एवं खुशहाल ने सराहनीय अंक हासिल किए। इस उपलब्धि पर निदेशक जितेंद्र सिंह ने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि विद्यालय द्वारा विजेता व प्रतिभागी विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाएगा।

हिंदू सम्मेलन में पर्यावरण संरक्षण का पाठ पढ़ाया

बहादुरगढ़। शहर के नेहरू पार्क क्षेत्र की महर्षि अरविंद बस्ती में बुधवार को भव्य हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया। वेदांत आश्रम के आचार्य श्रीभगवान के सानिध्य में विश्व हिंदू परिषद के जिलाध्यक्ष राकेश भारद्वाज ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। राकेश भारद्वाज ने समाज में 5 परिवर्तन लाने के बारे में विस्तार से जानकारी दी। आरएसएस के सह जिला कार्यवाह राकेश ने पर्यावरण संरक्षण पर विशेष बल देते हुए कहा कि हमें एकल उपयोग प्लास्टिक से बचना चाहिए।

ठेकेदारी का प्रतीकात्मक पुतला फूंका, जमकर की नारेबाजी

ठेका प्रथा समाप्त करने की मांग को लेकर सफाई कर्मचारियों ने किया प्रदर्शन

वार्ड नंबर 19 के पार्षद प्रतिनिधि पर लगाए दुर्व्यवहार के आरोप, मांगें मनवाने की मांग पर अड़े, वार्ड में काम नहीं करने की दी चेतावनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

झज्जर। डीएमसी को ज्ञापन सौंपते हुए सफाई कर्मचारी। फोटो : हरिभूमि

नगर परिषद कार्यालय के बाहर ठेका प्रथा का पुतला दहन करते हुए सफाई कर्मचारी।

नगर पालिका सफाई कर्मचारी संघ द्वारा बुधवार को ठेका प्रथा के विरोध में प्रदर्शन करते हुए ज्ञापन सौंपा व पुतला दहन किया। प्रदर्शन की अध्यक्षता राज्य संगठनकर्ता राजपाल ने की जबकि संचालन इकाई प्रधान शिवम चावरिया ने किया। सभी सफाई कर्मचारी साढ़े 11 बजे अंबेडकर चौक नजदीक टाउन हॉल में एकत्रित हुए। यहां से जुलूस की शक्ल में विरोध प्रदर्शन करते हुए नगर परिषद कार्यालय तक पहुंचे। यहां उन्होंने अधिकारियों के समक्ष ठेका प्रथा का विरोध किया और जमकर नारेबाजी की। राज्य संगठनकर्ता राजपाल ने बताया कि सरकार उनकी मांगों की तरफ कोई ध्यान नहीं दे रही। इसलिए कर्मचारियों द्वारा वार्ताहीनता, वादाखिलाफी व कर्मचारी विरोधी नीतियों के खिलाफ प्रदेश भर में प्रदर्शन किया गया है। बाद में उन्होंने डीएमसी जगनिवास को अपनी मांगों संबंधी ज्ञापन सौंपा गया है। इसके बाद कर्मचारियों ने ठेका प्रथा समाप्त किए जाने की मांग को लेकर ठेका प्रथा का प्रतीकात्मक पुतला भी फूंका।

प्रतिनिधि के दुर्व्यवहार की निंदा

कर्मचारियों द्वारा प्रदर्शन के दौरान वार्ड नंबर 19 की पार्षद द्वारा भेजे गए प्रतिनिधि द्वारा अभद्र व्यवहार करने का आरोप लगाया गया। इकाई प्रधान शिवम चावरिया ने बताया कि मंगलवार को जब उस वार्ड में करीब एक दर्जन से अधिक कर्मचारी काम कर रहे थे। पार्षद द्वारा भेजे गए व्यक्ति द्वारा उनके साथ अभद्र व्यवहार किया गया। कर्मचारियों ने जब पार्षद को अवगत कराया गया तो उन्होंने भी उस व्यक्ति को कुछ नहीं कहा। ऐसे में कर्मचारियों में रोष है। जब तक पार्षद द्वारा भेजा गया व्यक्ति उनसे माफी नहीं मांगता है तब तक वे अपना विरोध जारी रखेंगे तथा उस वार्ड में काम नहीं करेंगे।

ज्ञापन में की गई ये मुख्य मांग

ज्ञापन में लिखा गया है कि प्रदेश की सभी नगर पालिका, परिषद व निगमों में ठेका प्रथा निरंतर जारी है। ठेकेदारों द्वारा सफाई कर्मचारियों का शारीरिक व मानसिक शोषण किया जा रहा है। सरकार द्वारा न तो सफाई कर्मचारियों की नियमित भर्ती की जा रही है और न ही उन्हें रेगुलर किया जा रहा है। बीते करीब एक पखवाड़े से नगर निगम अंबाला के सफाई कर्मचारी ठेका प्रथा के विरोध में हड़ताल पर है। नगर पालिका कर्मचारी संघ द्वारा मांग की जाती है कि नगर निगम अंबाला सहित अन्य सभी स्थानों पर ठेकेदारी प्रथा पर रोक लगाई जाए तथा क्षेत्रफल आबादी के अनुपात में सरकार के नियमानुसार 400 की आबादी पर एक सफाई कर्मचारी का पद सृजित किया जाए। रिक्त पदों पर नियमानुसार नियमित भर्ती की जाए। हरियाणा कौशल रोजगार निगम सहित पालिका रोल, दैनिक वेतनमान, पार्ट टाइम सहित सभी ठेकों में लगे कर्मचारियों को दो वर्ष की सरल रेगुलाइजेशन नीति बनाकर एकमुश्त पक्का किया जाने की मांग शामिल है।

कर्मियों ने झाड़ू प्रदर्शन कर पुतला फूंका, जताया रोष

बहादुरगढ़। ईओ संजय रोहिल्ला को ज्ञापन सौंपते सफाई कर्मचारी। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

नगर पालिका कर्मचारी संघ हरियाणा के आह्वान पर बुधवार को सफाई कर्मचारियों ने ठेकेदारी प्रथा के विरोध में प्रदर्शन किया। कर्मचारियों ने इंदिरा पार्क से रेलवे रोड होते हुए लाल चौक तक झाड़ू प्रदर्शन किया और पुतला फूंका। प्रदर्शनकारियों ने बताया कि नगर निगम अंबाला शहर के सफाई कर्मचारी पिछले 16 दिनों से हड़ताल पर हैं। प्रशासन उनकी मांगों का समाधान करने की बजाय ठेका प्रथा को बढ़ावा देकर कर्मचारियों का शोषण कर रहा है। कर्मचारियों ने मांग की कि प्रदेशभर में सफाई व सीवर कार्यों में ठेकेदारी प्रथा पर तुरंत रोक लगाई जाए। साथ ही, 400 की आबादी पर एक सफाई कर्मचारी के पद सृजित किए जाएं और रिक्त पदों पर नियमित भर्ती की जाए। इसके अलावा, हरियाणा कौशल रोजगार निगम, पालिका रोल, दैनिक वेतन व पार्ट टाइम कर्मचारियों को सरल नियमितीकरण नीति बनाकर पक्का करने और समान काम के लिए समान वेतन देने की भी मांग उठाई गई।

न्यूनतम वेतन 30 हजार निर्धारित करने की मांग भी प्रमुख रूप से रखी गई। प्रदर्शन के बाद कर्मचारियों ने नगर परिषद बहादुरगढ़ के गेट पर पहुंचकर कार्यकारी अधिकारी संजय रोहिल्ला को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। कार्यक्रम की अध्यक्षता इकाई प्रधान राजेश बालगुहेर ने की, जबकि संचालन सचिव अमित परनाला ने किया। जिला प्रधान राजेंद्र तुषामड़, वरिष्ठ उप प्रधान लीला राम, कैशियर मुकेश बालगुहेर, उप प्रधान अजय, सह सचिव होशियार सिंह दरोगा सहित सैकड़ों कर्मचारी मौजूद रहे।

युवक के खिलाफ इंस्टाग्राम और फोन पर धमकी देने का केस दर्ज

- शिकायतकर्ता की ननद को बहला-फुसलाकर ले गया था आरोपी, बाद में छोड़कर भाग गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

एक युवक द्वारा महिला को बहला-फुसला कर ले जाने, रुपये ऐंठने, परिवार को जान से मारने की धमकी देने, इंटरनेट मीडिया पर हथियार के साथ वीडियो बनाकर डराने आदि का मामला सामने आया है। आरोपों की सत्यता जांच का विषय है। आसौदा थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में दहकोरा निवासी एक महिला ने कहा कि उसकी ननद की शादी 2017 में बहादुरगढ़ के लाइनपार में हुई थी। ननद के मकान के सामने सोलधा गांव का अनिल किराये पर रहता है और तांत्रिक विद्या का काम करता है। ननद बीमार रहती थी। उसने अपनी बीमारी की बात अनिल को बताई और उसके झांसे में आ गई। आरोपी बहला-फुसला कर ननद को अपने घर ले गया और रुपये भी मंगवा लिए। काफी तलाशने पर नहीं मिली तो लाइनपार थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज हुई।

मामले में जांच की जा रही

गत दो फरवरी को ननद शहर के एक निजी अस्पताल में भर्ती हुई। उसने पुलिस व कोर्ट के सामने बयान दिए और बताया कि आरोपी अनिल उसे अस्पताल में छोड़कर भागा है। तब से आरोपी फरार था। अभी हाल ही में अनिल ने मेरे जीजा को फोन पर जान से मारने की धमकी दी। गत 14 मार्च को इंस्टाग्राम आईडी व मैसेज के जरिये भी धमकी देते हुए कहा कि सात दिन में जहां मिला, वहीं मार दूंगा। उसने इंस्टाग्राम पर पिस्तौल, गोली व चाकू दिखाते हुए की वीडियो भी बनाई है। मेरी ननद के नाम से भी फर्जी आईडी बनाकर वीडियो डाल रहा है। गत 14 मार्च की ही रात को आरोपी दहकोरा में हमारे घर के बाहर आया और हथियार दिखाते हुए देवर को जान से मारने की धमकी दी। इतफाक से पति वहां आए तो उनका भी रास्ता रोककर धमकी दी। फिर लोग इकट्ठे हुए तो आरोपी वहां से भाग गया। उधर, पुलिस का कहना है कि मामले में जांच की जा रही है।

गैस की कालाबाजारी रोकने के लिए दुकानों पर की छापेमारी

- जिला खाद्य एवं आपूर्ति विभाग की टीम ने कस्बा बेरी में चलाया अभियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

एलपीजी गैस सिलेंडर की कालाबाजारी रोकने के लिए प्रशासन अलर्ट मोड में कार्य कर रहा है। बुधवार को जिला खाद्य एवं आपूर्ति विभाग की टीम ने कस्बा बेरी में विभिन्न मिष्ठान भंडारों पर छापेमार कार्रवाई की। सहायक खाद्य एवं आपूर्ति अधिकारी अमरजीत सिंह ने बताया कि घरेलू गैस सिलेंडरों की कोई कमी नहीं है। आमजन को परेशानी न हो, इसके लिए निरंतर चेकिंग की जा रही है।

झज्जर। कस्बा बेरी स्थित मिष्ठान भंडार का निरीक्षण करते हुए जिला खाद्य एवं आपूर्ति विभाग की टीम। फोटो : हरिभूमि

बुधवार को कस्बा बेरी में कई मिष्ठान भंडारों के यहां चेकिंग की गई। सभी दुकानदार नियमों की पालना करते हुए पाए गए। बुधवार को अन्य दिनों की अपेक्षा गैस एजेंसियों के बाहर लोगों की भीड़ कम दिखाई दी।

न्यूज डायरी

डीसी ने फसल खरीद की तैयारियां निर्धारित समय में पूरा करने के दिए निर्देश

झज्जर। डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने रबी खरीद सीजन की तैयारियों को लेकर आयोजित समीक्षा बैठक में प्रशासनिक और विभागीय स्तर पर तैयारियों को समय पर पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि खरीद प्रक्रिया को पारदर्शी, सुचारू एवं समयबद्ध ढंग से संचालित किया जाए, ताकि किसानों को खरीद केंद्र पर किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने बताया कि जिले में गेहूं की खरीद के लिए झज्जर, बेरी, मातनहेल, माजरा दूबलधन, बहादुरगढ़, पाटोदा, आसौदा, बादली तथा ढाकला सहित कुल दस मंडियां निर्धारित की गई हैं, जबकि सरसों की खरीद के लिए झज्जर, बेरी, मातनहेल, पाटोदा, बादली एवं बहादुरगढ़ मंडियों में व्यवस्था की गई है।

शिविर में 60 लोगों ने किया रक्तदान

झज्जर। वीरवार को दीनदयाल उपाध्याय गैर राजनैतिक संगठन द्वारा जिले के गांव बहु में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम संयोजक डॉ. बलवान की अध्यक्षता में आयोजित शिविर में मुख्यातिथि के रूप में महंत मिथिलेस दास ने शिरकत की। उन्होंने रक्तदाताओं को बैज लगाकर उनका उत्साह बढ़ाया। शिविर में लाइफ लाइन ब्लड बैंक नई दिल्ली की टीम से डॉ. बिजेंद्र, डॉ. काजल, आरती, प्रदीप, संजीव, सरिता व राहुल ने सेवाएं दीं। इंद्र कौशिक ने बताया कि शिविर में 60 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। सभी रक्तदाताओं को आयोजक समिति द्वारा प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर अमृत शर्मा, डॉ. जिले सिंह, देशराज राजपूत, विजय शर्मा, उदयभान शर्मा, आशीष गहलावत, मिंटू गहलावत, कर्मवीर जोशी, अनिल रोहिल्ला, संदीप सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

शिक्षण, अनुवाद व शोध में संस्कृत में रोजगार के अवसर

बहादुरगढ़। डॉ. मीनाक्षी पांडेय को पौधा भेंट करती प्रिंसिपल अल्का गुलाटी।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

राजकीय महिला महाविद्यालय के संस्कृत विभाग द्वारा बुधवार को प्राचीन भाषा संस्कृत और आधुनिक रोजगार के अवसर विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया। गुरुग्राम विश्वविद्यालय से आई डॉ. मीनाक्षी पांडेय ने अपने व्याख्यान में संस्कृत भाषा की प्राचीनता, वैज्ञानिकता एवं वैश्विक प्रासंगिकता पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि संस्कृत केवल एक प्राचीन भाषा ही नहीं, बल्कि ज्ञान-विज्ञान, दर्शन, आयुर्वेद, योग तथा तकनीकी क्षेत्रों में भी अत्यंत उपयोगी है। संस्कृत के माध्यम से शिक्षण कार्य, अनुवाद, शोध, प्रशासनिक सेवाएं, मीडिया, योग एवं आयुर्वेद से संबंधित क्षेत्र में रोजगार के विकल्प उपलब्ध हैं। उन्होंने छात्राओं को अपने विषय के प्रति जागरूक रहते हुए नए अवसरों को अपनाने के लिए प्रेरित किया।

संस्कृत में उच्च शिक्षण के लिए किया प्रेरित

बहादुरगढ़। राजकीय महाविद्यालय बहादुरगढ़ में प्राचार्य दलबीर सिंह की अध्यक्षता में संस्कृत विभाग की तरफ से विस्तार-व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन संस्कृत विभागाध्यक्षा डॉ. सरला के निर्देशन में हुआ, जिसमें सस्कृत विभाग के विद्यार्थियों ने उत्साह से भाग लिया। महाविद्यालय में विस्तार-व्याख्यान के लिए पधारीं गुरुग्राम विश्वविद्यालय की प्रो. मीनाक्षी पांडे ने विद्यार्थियों से कहा कि संस्कृत विषय में भविष्य की असीम संभावनाएं है। जिसमें वे आत्मनिर्भर बन सकते हैं। उन्हें उच्च शिक्षण के लिए प्रेरित किया। साथ ही रोजगार के विभिन्न अवसरों के बारे में विद्यार्थियों से बारीकी से चर्चा की। इस अवसर पर गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ वूमेन से प्रो. सीमा ने भी संस्कृत विषय के महत्व को समझाते हुए विद्यार्थियों का ज्ञानवर्धन किया। कार्यक्रम संयोजिका डॉ. सरला ने कहा कि आत्मनिर्भरता से हम अपने समाज और देश के उत्थान में योगदान दे सकते हैं। प्राचार्य दलबीर सिंह ने कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुए कहा कि विद्यार्थियों के ज्ञानवर्धन के लिए भविष्य में ऐसे आयोजन किए जाने चाहिए।

बहादुरगढ़। कार्यक्रम में विद्यार्थियों के साथ प्रो. मीनाक्षी पांडे व डॉ. सरला।

गला दबाकर लूटपाट करने वाले तीन आरोपी काबू

बहादुरगढ़। फैक्ट्री से छुट्टी के बाद मंगवार रात को घर के लिए निकले एक कर्मचारी के साथ लूटपाट की वारदात हो गई। बाइक सवार तीन बदमाश गला दबाकर उससे पर्स व मोबाइल लूट ले गए। वहीं, दूसरी तरफ मामले में गंभीरता बरतते हुए सेक्टर-16 चौकी पुलिस ने 24 घंटे के भीतर तीनों आरोपी गिरफ्तार कर लिए हैं। आरोपी एक दिन के रिमांड पर लिए गए हैं। वारदात अजय कुमार के साथ हुई थी। दरअसल, उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी का अजय यहां सांखोल में किराये पर रहता है और सोमानी कंपनी में काम करता है। मंगलवार की रात को वह छुट्टी के बाद घर के लिए निकला। कुछ दूर आगे बढ़ा ही था कि बाइक सवार तीन युवकों ने उसका रास्ता रोक लिया। आरोप है कि दो युवकों ने उसको पीछे से पकड़ लिया और तीसरे ने गला दबा दिया। जेब से पर्स व मोबाइल निकाल लिए। फिर जान से मारने की धमकी देकर तीनों फरार हो गए। वारदात के बाद पीड़ित ने घर जाकर परिजनों को सूचना दी। फिर बुधवार सुबह पुलिस को मामले से अवगत कराया। पीड़ित अजय ने आरोपियों की बाइक का नंबर नोट कर लिया था। उसी आधार पर पुलिस ने केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू की। सेक्टर-6 थाना प्रभारी जयभगवान सिंह ने बताया कि सेक्टर 16 चौकी प्रभारी राजेंद्र कुमार की टीम ने मामले में जांच करते हुए तीन आरोपियों को काबू कर लिया है। यूपी मूल का एक आरोपी आलोक यहां धर्म विहार में रहता है, जबकि अन्य दो आरोपी हरीश तथा आकाश परनाला के निवासी हैं।

नशे के खिलाफ किया जागरूक

बहादुरगढ़। पुलिस के जन जागरूकता अभियान के तहत नशा मुक्ति टीम ने लाइनपार क्षेत्र में कार्यक्रम आयोजित कर लोगों को जागरूक किया। टीम ने नशे के दुष्प्रभाव बताते हुए इससे दूर रहने की अपील की। साथ ही हेलमेट, सीट बेल्ट और यातायात नियमों के पालन पर जोर दिया तथा नशे में वाहन न चलाने की सलाह दी।

बा अदालत सहायक कलैक्टर प्रथम श्रेणी बहादुरगढ जिला झज्जर

राजकुमार आदि बनाम राजेश आदि

1. राजेश 2. शमशेर पुत्रान बल्जीत पुत्र छतर सिंह 3. रिलबाग पुत्र छतर सिंह पुत्र रामसरूप 4. चन्दराम 5. जयलाल पुत्रान छोटेलाल पुत्र रामसरूप 6. नवीन 7. सतीश पुत्रान 8. श्रीमती सरोज विधवा राजन पुत्र छोटेलाल 9. दलबीर पुत्र छोटेलाल पुत्र रामसरूप 10. सन्दीप 11. जयदीप 12 कुलदीप पुत्रान धर्मवीर पुत्र छोटेलाल 13 मुख्त्यारी माता नरेन्द्र दत्तक पुत्र जयलाल 14 टेकचन्द पुत्र रामसरूप 15 शान्ति विधवा दीपचन्द दत्तक पुत्र रामप्रसाद 16 उमेद पुत्र दीपचन्द दत्तक पुत्र रामप्रसाद 17 आजाद 18. राजेन्द्र पुत्रान दीपचन्द दत्तक पुत्र रामप्रसाद 19. सतीश 20. रमेश कुमार 21. कुलदीप पुत्रान सुबे सिंह पुत्र रिजकराम 22. रघबीर पुत्र मन्शाराम दत्तक पुत्र कुदे 23 सतबीर 24 चांद 25 ईश्वर 26 राजकुमार पुत्रान भीम सिंह पुत्र मन्शाराम 27 कवल सिंह पुत्र श्रीभगवान दत्तक पुत्र मन्शा 28 रिंकू 29 टींकू पुत्रान जगत सिंह पुत्र श्रीभगवान 30 कविता पुत्री जगत सिंह पुत्र श्रीभगवान 31 ताराचन्द 32 पालू 33 सुन्दर पुत्रान सदाराम पुत्र कलीराम 34 टोनी पुत्र कमलेश पुत्री शेर सिंह 35 सन्तराम 36 जयबीर पुत्रान मुखतावर सिंह पुत्र मन्शा 37 रोशनी 38 पवन 39 कर्मबीर पुत्रान महताब 40 मीना विधवा 41 विकास पुत्र 42 गीतु पुत्री बलराज पुत्र महताब 43 महेन्द्र पुत्र शेर सिंह पुत्र कलीराम 44 श्रीमती सन्तरा विधवा 45 नीतिन पुत्र जिले सिंह पुत्र मुखत्यार सिंह 46 तुषार पुत्र सीमा पुत्री जिले सिंह 47 श्रीमती मूर्ति विधवा नरेश पुत्र शेर सिंह 48 भरत सिंह पुत्र नेतराम पुत्र रामसरूप 49 शमशेर सिंह 50 प्रकाश सिंह पुत्रान नेतराम पुत्र रामसरूप 51 रामनिवास 52 संजय 53 सुनील पुत्रान महेन्द्र पुत्र छत्र 54 औमबीर पुत्र जिले सिंह पुत्र मुखत्यार सिंह 55 पूर्ण सिंह 56 रामचन्द्र 57 रामकवौर पुत्रान कलीराम पुत्र जुगलाल सभी निवासीवान गांव रोहद तहसील बहादुरगढ जिला झज्जर

उपरोक्त अनुवान केस में अदालत को ऐसा लगता है कि उपरोक्त प्रत्यार्थीगण जिनके नाम उपरलिखित हैं, जानबूझकर सम्मन लेने से टल रहे हैं। अतः इस तरह से साधारण तरीके से इनकी तामील नहीं हो सकती। अतः पब्लिकेशन के द्वारा इन सभी प्रत्यार्थीगण को सूचित किया जाता है कि ये सभी दिनांक 13.04.2026 को समय सुबह 10:00 बजे असालतन या वकालतन उपरोक्त अदालत में हाजिर आवे अन्यथा इनके खिलाफ एकतरफा कार्यवाही अमल में लाई जावेगी।

हस्ता/-सहायक कलेक्टर प्रथम श्रेणी बहादुरगढ़

NOTICE

I, Mukesh Sharma W/o Sh. Narender Kumar R/o H.No-1/325, Vikas Nagar, Diggi Wala Road, Linepar, Green Vally High School, Bahadurgarh, Distt-Jhajjar, Haryana-124507 declare that my old name is Mukesh Devi and Now I have changed my name Mukesh Devi to Mukesh Sharma. That in future known me my new name Mukesh Sharma.

सूचना

हम, श्री आजाद सिंह पुत्र श्री रिछपाल एवं श्रीमति इन्द्रावती पत्नी श्री आजाद सिंह निवासी 40/11, गली नं.-1, हरी नगर कॉलोनी, नजफगढ़ रोड, बहादुरगढ़, जिला झज्जर, हरियाणा-124507 बयान करते हैं कि हमारा पुत्र नवाब सिंह व पुत्रवधु मिन्दु निवासी 40/11, गली नं.-1, हरी नगर कॉलोनी, नजफगढ़ रोड, बहादुरगढ़, जिला झज्जर, हरियाणा-124507 व उनके पुत्र गौरव व ऋषि हमारे कहने-सुनने से बाहर हैं। इसलिये हम इनको अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करते हैं। इनसे लेन-देन, व्यवहार करने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा। हमारी व हमारे परिवार की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

बादली के राजकीय महाविद्यालय में मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता पर व्याख्यान आयोजित

विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने के लिए किया प्रेरित

- शारीरिक स्वास्थ्य जितना ही आवश्यक है, उतना ही मानसिक स्वास्थ्य भी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

बादली के राजकीय महाविद्यालय में बुधवार को मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। मनोरोग नर्सिंग अधिकारी सुनीता द्वारा मानसिक स्वास्थ्य के महत्व पर प्रकाश डाला गया। साथ ही उन्होंने नशा मुक्ति के विषय पर जागरूकता फैलाते हुए विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। नागरिक अस्पताल झज्जर से आईं सुनीता ने बताया कि शारीरिक स्वास्थ्य जितना ही आवश्यक है, उतना ही मानसिक स्वास्थ्य भी है। उन्होंने अवसाद जैसे सामान्य मानसिक विकारों, उनके लक्षणों, कारणों एवं बचाव के उपायों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने मानसिक संतुलन बनाए रखने, तनाव प्रबंधन तथा समय पर सहायता लेने के महत्व के बारे में समझाया। कॉलेज प्राचार्य मेजर आनंद कादियान ने विद्यार्थियों को मानसिक रूप से सशक्त और जागरूक बनने के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने इस पहल की सराहना करते हुए विद्यार्थियों को मानसिक स्वास्थ्य संबंधी विषयों पर खुलकर चर्चा करने के लिए प्रोत्साहित किया।

बहादुरगढ़। कार्यक्रम के उपरांत विद्यार्थियों के साथ मनोरोग नर्सिंग अधिकारी सुनीता। फोटो : हरिभूमि

आज 12 बजे तक देनी होगी स्कूल सेफ्टी रिपोर्ट

बहादुरगढ़। स्कूल सेफ्टी रिपोर्ट को लेकर शिक्षा विभाग सख्त है। झज्जर जिला शिक्षा अधिकारी की ओर से सभी क्लस्टर मुखियाओं को क्वार्टरली स्कूल सेफ्टी रिपोर्ट समय पर जमा करवाने के आदेश दिए गए हैं। यह कार्य वीरवार 19 मार्च की दोपहर 12 बजे तक कराना अनिवार्य है। आदेशों के मुताबिक, सभी क्लस्टर मुखियाओं को एक वर्ड फॉर्मेट में स्कूल सेफ्टी से संबंधित प्रोफार्मा भेजा गया है। उन्हें अपने अधीन आने वाले सरकारी, निजी और एडिड विद्यालयों से यह जानकारी हार्ड कॉपी में एकत्रित करनी होगी। विभाग ने स्पष्ट किया है कि क्लस्टर मुखिया 19 मार्च 2026 को दोपहर 12 बजे तक हर हाल में खंड शिक्षा कार्यालय बहादुरगढ़ में रिपोर्ट जमा करवाना सुनिश्चित करें। किसी भी प्रकार की लापरवाही या देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। रिपोर्ट जमा न करने की स्थिति में संबंधित क्लस्टर मुखिया व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार होंगे।

सार्वजनिक सूचना

दोबारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि दी बहादुरगढ़ सहकारी विपणन समिति बहादुरगढ़ द्वारा रबी सीजन 2026-27 के दौरान नेफैड/सरकार के लिए सरकारी सरसों की खरीद की जानी है। उसके लिए श्रमिक प्रदाता (लेबर कान्ट्रैक्टर) की आवश्यकता है। दिनांक 24.03.2026 को 11.00 बजे तक इच्छुक श्रमिक प्रदाता दी बहादुरगढ़ सहकारी विपणन समिति में किसी भी कार्य दिवस अपना आवेदन दी बहादुरगढ़ सहकारी विपणन समिति दुकान नंबर-36 अनाजमंडी बहादुरगढ़ में जमा करवा दे। आवेदन 24.03.2026 को 11.00 बजे तक जमा करवाए। आवेदक के पास लेबर व खरीद के संबंधित पर्याप्त साधन होना अनिवार्य है। आवेदन का फार्म आपको समिति कार्यालय में सरकारी शर्तों सहित उपलब्ध हो जाएगा। शर्तें पूर्ण न होने की सूरत में समिति को आवेदन रद्द करने का पूर्ण अधिकार होगा। सभी शर्तें सरकारी नियम अनुसार पालन करनी होगी।

Sd/-Manager, The Bahadurgarh Co-op Marketing Society Ltd, BAHADURGARH

गांव मांडोठी में शहीद नमन स्थल पर समाजसेवियों को सिद्धार्थ वर्मा व रचना सिंधु ने किया सम्मानित

सामाजिक संस्थाओं को 'शहीद ए आजम सम्मान' से नवाजा

संयोजक महेश दलाल ने शहीद भगत सिंह के जीवन संघर्ष, दर्शन व विचारों को तैल चित्रों पर उकेरा और संग्रहालय में सहेजा, जिसकी सभी ने की भूरी-भूरी प्रशंसा

शहीद भगत सिंह के बलिदान को याद कर नम हुईं आंखें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

गांव मांडोठी में आयोजित एक समारोह में शहीद नमन स्थल के संयोजक महेश दलाल द्वारा विभिन्न सक्रिय सामाजिक संस्थाओं एवं समाजसेवियों को 'शहीद ए आजम सम्मान' से सम्मानित किया गया।

समाज में सेवा, जागरूकता और राष्ट्रभक्ति की भावना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हुए कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व मुख्यमंत्री स्व. साहब सिंह वर्मा के पुत्र सिद्धार्थ वर्मा व पुत्री रचना सिंधु ने शिरकत की। कार्यक्रम में शहीद यादगार कमेटी से जुड़े धनराज तहलान, डॉ. राकेश वत्स, सतबीर सिंह, कृष्ण गोपाल विद्यार्थी, सरदार गुरमीत सिंह, क्लीन एंड ग्रीन ट्रस्ट के वजीर सिंह दहिया व प्रदीप रेढू, रॉबिन हुड आर्मी की ओर से गीता छिल्लर, विद्यादान महादान सेवा ट्रस्ट के अजय ग्रेवाल, सुनहरा कल फाउंडेशन की डॉ. सुनीता छिल्लर, संघर्षशील जनकल्याण सेवा समिति के संजय तथा जीव कल्याण ट्रस्ट के डॉ. तनवीर सहित अन्य समाजसेवियों को सम्मानित किया गया।

बहादुरगढ़। शहीद यादगार कमेटी के सदस्यों को सम्मानित करते सिद्धार्थ वर्मा और रचना सिंधु। फोटो : हरिभूमि

बहादुरगढ़। सुनहरा कल फाउंडेशन की टीम का सम्मान करते सिद्धार्थ वर्मा और रचना सिंधु। फोटो : हरिभूमि

घर तोड़कर शहीद नमन स्थल बनाया

बता दें कि चित्रकार महेश दलाल ने मांडोठी गांव स्थित अपने पैतृक घर को तोड़कर उसे शहीद नमन स्थल का रूप दिया है। शहीद भगत सिंह के बचपन से लेकर बलिदान तक के जीवन संघर्ष, दर्शन व विचारों को तैल चित्रों पर उकेरा और संग्रहालय में सहेज कर प्रस्तुत किया है। मुख्य अतिथि सिद्धार्थ वर्मा और रचना सिंधु ने कहा कि शहीद नमन स्थल आने वाली पीढ़ी को चित्रकला के साथ ही देशभक्ति के लिए प्रेरित करता रहेगा।

पहल की प्रशंसा

ऐसे आयोजन देते हैं सकारात्मक ऊर्जा

सिद्धार्थ वर्मा और रचना सिंधु ने कहा कि ऐसे आयोजन समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं और युवाओं को प्रेरित करते हैं। उन्होंने चित्रकार महेश दलाल द्वारा तैयार किए गए शहीद नमन स्थल की विशेष रूप से प्रशंसा की और इसे एक प्रेरणादायक पहल बताया। उन्होंने कहा कि भगत सिंह के सपनों को साकार करने के लिए सभी को मिलकर समाज सेवा और राष्ट्र निर्माण में योगदान देना चाहिए। इस मौके पर बिल्लू जाट, अंजू बाला, सत्येंद्र दहिया, सुनील देवी, संजीव शर्मा व ऋतिक सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

न्यूज डायरी

झज्जर। स्वास्थ्य शिविर में उपस्थित चिकित्सक एवं जांच कराने पहुंचे लोग।

छारा में शिविर लगाकर जांचा ग्रामीणों का स्वास्थ्य

झज्जर। वर्ल्ड मेडिकल कॉलेज रिसर्च एंड हास्पिटल गिरावड़ द्वारा बुधवार को क्षेत्र के गांव छारा में एक स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में अस्पताल के मेडिसिन विभाग, सर्जरी, नेत्र रोग, ईएनटी, हड्डी रोग, स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग के चिकित्सकों ने सेवाएं दी। इस दौरान शिविर में पहुंचे सैकड़ों लोगों की स्वास्थ्य जांच की गई तथा जरूरतमंद लोगों में निःशुल्क दवाइयां भी वितरित की गईं। कम्युनिटी मेडिसिन विभाग के प्रोफेसर डॉ. चरण सिंह ने बताया कि संस्थान के संस्थापक डॉ. नरेंद्र सिंह के नेतृत्व में आयोजित इस शिविर के दौरान लोगों को स्वास्थ्य की उचित देखभाल के लिए आवश्यक परामर्श भी दिए गए।

झज्जर। मतदान करने के लिए अपनी बारी का इंतजार करते हुए अधिवक्ता।

बार काउंसिल चुनाव में अधिवक्ताओं ने डाले वोट

■ सुरक्षा के रहे पुख्ता इंतजाम, अधिवक्ताओं ने कतारबद्ध होकर किया अपनी बारी का इंतजार

झज्जर। बार काउंसिल के चुनाव को लेकर झज्जर बार एसोसिएशन में बुधवार को दिनभर गहमागहमी का माहौल रहा। चुनाव को लेकर अधिवक्ताओं में उत्साह दिखाई दिया और अधिवक्ता अपने मत का प्रयोग करने के लिए कतारबद्ध होकर अपनी बारी का इंतजार करते दिखाई दिए। बार कांउसिल चुनाव को लेकर प्रशासनिक स्तर पर पूरी व्यवस्था की गई। सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस बल तैनात रहा। बता दें कि स्थानीय न्यायिक परिसर में आयोजित मतदान के लिए पंकज सैनी, कार्यकारी अभियंता, नगर परिषद झज्जर को ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त किया गया था, जबकि सतेंदर वशिष्ठ, व्याख्याता राजकीय पॉलिटेक्निक झज्जर को ड्यूटी सुपरवाइजर की जिम्मेदारी सौंपी गई थी।

झज्जर। शिक्षकों के साथ उपस्थित पावर पॉइंट प्रजेंटेशन की प्रतिभागी छात्राएं।

पावर पॉइंट प्रजेंटेशन में कनन रही प्रथम

झज्जर। महाराजा अग्रसेन महिला महाविद्यालय में बुधवार को राजनीतिक विभाग में छात्राओं द्वारा पावर पॉइंट प्रजेंटेशन का प्रस्तुतिकरण किया गया।

■ महाराजा अग्रसेन महिला महाविद्यालय में प्रतियोगिता का किया आयोजन

कार्यक्रम का नेतृत्व डॉ. अनु बरवड़, नीतू और डॉ. प्रीति द्वारा किया गया। प्रजेंटेशन के दौरान विभिन्न महत्वपूर्ण राजनीतिक विषयों पर परास्नातक तथा स्नातक की छात्राओं ने अपनी-अपनी प्रस्तुति दी। इस प्रतियोगिता में कनन को प्रथम, हिमानी को द्वितीय व मुस्कान तथा दीपा को संयुक्त रूप से तृतीय स्थान मिला। डॉ. अनु बरवड़ ने छात्राओं को पावर पॉइंट प्रस्तुतिकरण के लिए विभिन्न जानकारियां सांझा की। उन्होंने छात्राओं को स्लाइड तैयार करके उसे अच्छे से प्रस्तुत करने संबंधी जानकारी भी दी। प्राचार्या डॉ. नीलम गर्ग ने राजनीतिक विभाग के शिक्षकों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम छात्राओं के सर्वांगीण विकास में सहायक है।

बहादुरगढ़। निर्माण कार्य शुरू करवाते अशोक राठी व अन्य।

गांव परनाला में सीवर लाइन कार्य का शुभारंभ

बहादुरगढ़। गांव परनाला में विकास कार्यों को आगे बढ़ाते हुए बची हुई छोटी 7-8 गलियों में सीवर पाइप लाइन डालने के कार्य का शुभारंभ गांव के बुजुर्ग फूल सिंह द्वारा किया गया। सरपंच एसोसिएशन के प्रधान अशोक राठी ने बताया कि इस कार्य से लंबे समय से चली आ रही जल निकासी की समस्या से ग्रामीणों को राहत मिलने की उम्मीद है। इस मौके पर विक्की, जोगी, प्रमोद, राजू, अमित व विनोद आदि उपस्थित रहे।

बहादुरगढ़। विचार गोष्ठी में चर्चा करते साहित्यकार।

गैस से परेशान उपभोक्ता बेहतर विकल्प तलाशें

■ सेक्टर-9 के भारतीय साहित्य सदन में आयोजित विचार गोष्ठी में वक्ताओं ने रखे विचार

बहादुरगढ़। पश्चिम एशिया में युद्ध शुरू होने के बाद उत्पन्न गैस किल्लत के बीच महंगाई सहित अनेक समस्याओं व उनके समाधान को लेकर शहर के सेक्टर-9 स्थित भारतीय साहित्य सदन में एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। वक्ताओं ने कहा कि गरीब लोग आपदा को कमाई का सुनहरा अवसर मान रहे लोगों की मानसिकता का शिकार हो रहे हैं। विचार गोष्ठी में डॉ. नरेंद्र भारतीय, डॉ. मंजीत, रमेश सुखीजा, मुकेश व्यास व कृष्ण गोपाल विद्यार्थी ने कहा कि होटलों, व्यावसायिक संस्थानों और स्थानीय उद्योग के लिए गैस सिलेंडरों की आपूर्ति पर प्रतिबंध लगाए जाने से जमाखोरी और कालाबाजारी बढ़ गई है। रेहड़ी लगाने वालों से लेकर उद्योग चलाने वालों को घरेलू गैस के सिलेंडर कई गुणा महंगे दामों पर मिल रहे हैं। वक्ताओं ने माना कि भावी आशंकाओं के चलते उपभोक्ताओं को अधिक सिलेंडर जुटाने की बजाय ईंधन के दूसरे परम्परागत सस्ते और सुगम विकल्पों की तरफ लौटना चाहिए। डॉ. मंजीत भारतीय ने मिट्टी के चूल्हों की वकालत की।

झज्जर। ग्राम सरपंच व अन्य प्रबुद्धजनों के साथ उपस्थित ऋतिक कौशिक।

ग्रीस से जीतकर लौटे ऋतिक सम्मान

झज्जर। क्षेत्र के गांव भदाना में अंतरराष्ट्रीय वुशु चैंपियनशिप में पदक जीतने वाले खिलाड़ी ऋतिक को ग्राम पंचायत द्वारा सम्मानित किया गया। इथेन्स ग्रीस में आयोजित वुशु चैम्पियनशिप में ऋतिक कौशिक ने गोल्ड मेडल जीता। उसने अपनी जीत का श्रेय अपने कोच जागीर, पिता जयप्रकाश कौशिक व माता मुकेश कौशिक को दिया। ऋतिक के गांव पहुंचने पर ग्रामीण व परिजन उसे राशलवाला चौक पर लेने पहुंचे। यहां से ऋतिक को ढोल नंगाड़ों के साथ लाया गया। ग्राम सरपंच पवन कुमार, पंचायत सदस्य राकेश, धर्मेंद्र शर्मा, धर्मपाल बंजारा, राधाकृष्ण, संगीता शर्मा, अंजू शर्मा, कामनी ने ऋतिक का फूल माला से स्वागत किया। इस दौरान ग्राम पंचायत द्वारा ऋतिक व उसके कोच जागीर को भी सम्मानित किया। इस मौके पर मीर सिंह, रामनिवास, प्रताप कौशिक, परमेश कौशिक, सतीश कौशिक, जयदेव वशिष्ठ, नवीन वशिष्ठ, जय भगवान, बालकिशन, सहजराम शर्मा, बबलू कौशिक, बालकिशन शर्मा, श्रीभगवान कौशिक, प्रताप कौशिक, हरिओम शर्मा, अमित शर्मा, धर्मदास, मुकेश शर्मा, पारस वशिष्ठ, बिंटू कौशिक, रमेश सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

इंटर-पॉलिटेक्निक खेल प्रतियोगिता में प्रदेश के 30 संस्थानों के 500 खिलाड़ी दिखाएंगे दमखम

■ खेल व्यक्ति के समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते : डीसी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

स्थानीय गुरु गोरखनाथ राजकीय बहुतकनीकी में 38वीं इंटर-पॉलिटेक्निक तीन दिवसीय खेल प्रतियोगिता का बुधवार को शानदार आगाज हुआ। कार्यक्रम में डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की और दीप प्रज्ज्वलित कर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। बाद में विभिन्न पॉलिटेक्निक संस्थानों से आए खिलाड़ियों द्वारा आकर्षक एवं अनुशासित मार्च-पास्ट प्रस्तुत किया गया। मार्च-पास्ट के दौरान खिलाड़ियों के जोश, उत्साह और अनुशासन ने उपस्थित जनसमूह को प्रभावित किया। प्रतियोगिता में प्रदेश के 30 राजकीय पॉलिटेक्निक संस्थानों के लगभग 500 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं, जो विभिन्न खेल विधाओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। इस दौरान अपने संबोधन में डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने कहा कि खेल जीवन का अभिन्न हिस्सा हैं और ये न केवल शरीर को स्वस्थ रखते हैं बल्कि व्यक्तित्व के समग्र विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि खेलों के माध्यम से अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, धैर्य, समर्पण तथा टीम भावना का विकास होता है, जो जीवन के हर क्षेत्र में सफलता के लिए आवश्यक हैं। उन्होंने खिलाड़ियों को खेल भावना के साथ प्रतिस्पर्धा करने तथा हार-जीत से ऊपर उठकर सीखने की प्रेरणा दी।

झज्जर। दौड़ प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा दिखाते हुए खिलाड़ी। फोटो : हरिभूमि

निधि ने उत्तीर्ण की सुपर-100 परीक्षा

झज्जर। राजकीय मॉडल संस्कृति स्कूल हसनपुर की होनहार छात्रा निधि ने सुपर 100 परीक्षा में सफलता हासिल कर विद्यालय व पूरे जिले का नाम रोशन किया है। अंग्रेजी प्रवक्ता पूजा बंसल ने बताया कि निधि पुत्री महिपाल उनके संस्थान की दसवीं कक्षा की छात्रा है। उसने सुपर -100 लेवल वन की परीक्षा उत्तीर्ण की है। अब लेवल -टू परीक्षा उत्तीर्ण करने के लिए दो वर्ष तक विकल्प अकादमी रेवाड़ी में नीट, आईआईटी में प्रवेश के लिए सरकारी खर्च पर निःशुल्क प्रशिक्षण प्राप्त करेगी। निधि की इस उपलब्धि पर उसके पैतृक गांव कुंजैया में भी खुशी की लहर है। स्कूल प्राचार्य एवं सभी स्टाफ सदस्यों ने होनहार छात्रा को बधाई देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की हे।

बहादुरगढ़। विधानसभा में सुविधाओं की जानकारी देते विधायक राजेश जून।

बहादुरगढ़ में आईसीयू व सीटी स्कैन शुरू होने से मिलेगा गरीबों को लाभ : जून

■ नायब सरकार ने स्वास्थ्य सेवाओं को किया सुदृढ़, जल्द बनेगी कैथ लैब

बहादुरगढ़। स्वास्थ्य व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए विधायक राजेश जून ने हरियाणा विधानसभा में सीएम नायब सिंह सैनी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार का आभार व्यक्त किया। उन्होंने विशेष रूप से बहादुरगढ़ में मिली स्वास्थ्य सुविधाओं को बड़ी उपलब्धि बताया। विधायक राजेश जून ने बताया कि पिछले बजट में उन्होंने बहादुरगढ़ के नागरिक अस्पताल के लिए सीटी स्कैन, आईसीयू और कैथ लैब की मांग उठाई थी। अब इनमें से सीटी स्कैन और आईसीयू की सुविधाएं शुरू हो चुकी हैं, जबकि कैथ लैब भी जल्द बनने वाली है। ऐसे में अब स्थानीय लोगों को बड़े शहरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। विधायक ने कहा कि प्रदेश सरकार ने हृदय रोगों के बढ़ते खतरे को देखते हुए यमुनानगर, हिसार, सोनीपत और बहादुरगढ़ सहित 6 स्थानों पर कैथ लैब स्थापित करने का ऐलान किया है।

माता के श्रृंगार के सामान से सजीं दुकानें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

नवरात्र उत्सव आज से

गुरुवार से शुरू होने वाले नवरात्र पर्व को लेकर दिनभर श्रद्धालुओं में उत्साह दिखाई दिया। बाजार में माता की चुनरी व श्रृंगार के सामान की दुकानें सजी रहीं। लोगों ने पूजन साम्रगी व व्रत के दौरान इस्तेमाल की जाने वाली वस्तुओं की जमकर खरीददारी की। नवरात्र पर्व के कारण अन्य दिनों की अपेक्षा बाजार में भीड़ ज्यादा रही। जिसके कारण दुकानदारों के चेहरों पर भी खुशी दिखाई दी। शहर के पुराना बस स्टैंड रोड पर आंबेडकर चौक के नजदीक दुकान लगाने वाले प्रवीन कुमार व अनिल कुमार ने बताया कि उन्होंने चैत्र नवरात्रों के चलते अपनी दुकान में सामान सजाया है। उन्होंने कहा कि बाजार में नवरात्रों को लेकर श्रद्धालुओं द्वारा खरीददारी की जा रही है। उनके पास नारियल-चुनरी का सेट, माता के श्रृंगार के सामान वाला पैकेट, नारियल पर लपेटने वाली चुनरी, स्पेशल बड़ी चुनरी, मिश्री का प्रसाद, व्रत के दौरान उपयोग में लाए जाने वाले व्रत मिक्चर, साबुदाना, सामक, चिप्स आदि सामान उपलब्ध है।

झज्जर। शहर के डाकखाना चौक के नजदीक सजी दुकान। फोटो : हरिभूमि

माता भीमेश्वरी देवी मंदिर में मेले की तैयारियां पूरी

डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने कहा कि माता भीमश्वरी देवी के दर्शन के लिए देश भर से श्रद्धालु आते हैं। श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए जरूरी सुविधाएं प्रदान करने के लिए प्रशासन सजग है। उन्होंने कहा कि 24 मार्च से 26 मार्च तक लगने वाले चैत्र नवरात्र मुख्य मेले के दौरान धर्मनगरी बेरी आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए सभी प्रबंध कर लिए गए हैं। इसके अलावा सुरक्षा के दृष्टिगत भी पर्याप्त संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है।

बच्चों ने गीतों से अध्यापकों का किया वंदन

बहादुरगढ़। जीडी गोयनका स्कूल के दीक्षांत समारोह में प्रमाण पत्रों के साथ जूनियर विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

■ जीडी गोयनका में हुआ जूनियर्स का दीक्षांत समारोह

बहादुरगढ़। शहर की एचएल सिटी स्थित जीडी गोयनका पब्लिक स्कूल में कनिष्ठ वर्ग के विद्यार्थियों के लिए दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत प्रधानाचार्या द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई। इसके बाद कार्यक्रम में स्वागत गीत के माध्यम से उपस्थित अभिभावकों का अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम की थीम धन्यवाद पर नन्हें कलाकारों ने लघु नाटिका और डांस प्रस्तुत करके समां बांध दिया। इसके साथ-साथ बच्चों ने अपने अभिनय व गायन से अभिभावकों व अध्यापकों को धन्यवाद किया। तत्पश्चात एक भावपूर्ण गीत के माध्यम से भगवान के प्रति कृतज्ञता प्रकट की। स्कूल निदेशिका शैलजा जून ने कहा कि कृतज्ञता का भाव ही जीवन को सुंदर और सफल बनाता है। जब बच्चे अपने आसपास के लोगों के योगदान को समझते हैं, तो वे न केवल अच्छे विद्यार्थी बल्कि अच्छे इंसान भी बनते हैं। यह दीक्षांत समारोह केवल एक पड़ाव नहीं बल्कि बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की नई शुरुआत है। उन्होंने सभी विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। इसके साथ-साथ उन्होंने सभी ने बच्चों की प्रतिभा की सराहना करते हुए इस यादगार आयोजन के लिए विद्यालय परिवार को बधाई दी।

नेहरू कॉलेज में राष्ट्रीय संगोष्ठी का आगाज

देश की आंतरिक सुरक्षा महत्वपूर्ण, अब साइबर युद्ध का खतरा : डीसी पाटिल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

राजकीय स्नातकोत्तर नेहरू महाविद्यालय में बुधवार को रक्षा अध्ययन विभाग, एनसीसी, पूर्व विद्यार्थी संगठन तथा गवांड फाउंडेशन भदानी के संयुक्त तत्वावधान में रक्षा एवं सामरिक विषयों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी समर संवाद का आगाज हुआ। इसमें डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने बतौर मुख्यातिथि, जबकि सीआरपीएफ के रिटायर्ड एडीजी जेएस गिल ने विशिष्ट अतिथि के तौर पर शिरकत की। इस दौरान अपने संबोधन में डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने कहा कि देश की आंतरिक सुरक्षा बहुत महत्वपूर्ण है। अब युद्ध की परिभाषा बदल गई है और आर्थिक युद्ध तथा साइबर युद्ध भी इसके रूप हैं। युद्ध का असर सीधे जनता पर पड़ता है। यह अंतरराष्ट्रीय संबंधों को भी प्रभावित करता है। उन्होंने विद्यार्थियों को सलाह दी कि वे केवल सामान्य डिग्री के भरोसे पर न रहें बल्कि विशेषज्ञता हासिल करें तथा इस बात पर विचार करें कि देश के लिए हम क्या कर सकते हैं। वर्ष 2047 के विकसित भारत की बागडोर आज की पीढ़ी के हाथ में ही होगी। संगोष्ठी के पहले सत्र में मेजर जनरल सुधीर जाखड़ और डॉक्टर अर्चना त्यागी ने 2026 में भारत की आंतरिक सुरक्षा की गतिशीलता, माओवादी अंत से उभरते हाइब्रिड खतरों तक विषय पर चर्चा की। दूसरे सत्र में रिटायर्ड आईपीएस यशोवर्द्धन झा आजाद ने भारत की सुरक्षा गतिशीलता और चुनौतियां विषय पर अपने व्याख्यान में बताया कि आंतरिक मजबूती के बिना कोई भी राष्ट्र अपना शक्ति प्रदर्शन नहीं कर सकता। आज का युद्ध साइबर हमले, गलत सूचनाओं और एआई व तकनीक से भी लड़ा जाता है। देश की सुरक्षा, गठजोड़, बुद्धिमत्ता और आंतरिक एकता पर निर्भर है। तीसरे ऑनलाइन सत्र में एसओएएस यूनिवर्सिटी ऑफ लंदन के प्राध्यापक डॉक्टर बुरजीन वाघमार आज के ज्वलंत मुद्दे अमेरिका-ईरान की टकराव की नीति तथा भारत के सामाजिक सद्भाव और ऊर्जा सुरक्षा पर इसके असर पर व्याख्यान दिया।

झज्जर। कार्यक्रम के दौरान अपनी बात रखते हुए विषय विशेषज्ञ।

झज्जर। कार्यक्रम के दौरान अपनी प्रस्तुति देते हुए छात्राएं।